नई किताब

मिट्टी से बिछड़ने का दर्द

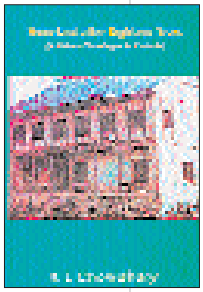

➔

पुस्तक: *होमलैंड आफ्टर एटीन ईयर्स*
लेखक: *के एल चौधरी*
प्रकाशक: *यूबीएस प्रकाशक वितरक प्राइवेट लिमिटेड*
मूल्य: *170 रु.*

के एल चौधरी का कविता संग्रह 'होमलैंड आफ्टर एटीन इयर्स' (ए 48-आवर्स ट्रैवलॉग इन कश्मीर) पढ़ते हुए यह यकीन ही नहीं होता कि ये कविताएं एक चिकित्सक की कलम से निकली हैं। ये कविताएं एक ऐसे शख्स की मनोव्यथा हैं, जिसे अनचाहे अपनी मातृभूमि को विदा कहना पड़ा। जैसा कि संग्रह के नाम से ही पता चलता है ये कविताएं एक यात्रा की अनुभूतियां हैं। लेखक 18 वर्ष के अंतराल के बाद अपने मातृप्रदेश जाता है और वहां 48 घंटे बिताता है। संग्रह में उसके पहुंचने के पहले की बेकरारी और बाद के मिले-जुले अनुभवों का उल्लेख है। एक बानगी देखिए : ऑन बोर्ड जेट एयरवेज, जम्मू-श्रीनगर कविता में कवि चकित हो रहा है कि 18 वर्ष पांच माह और 3 दिन के बाद जब वह अपने पुरखों की जमीन से आधे घंटे की दूरी पर है तो उसका दिल इतना शांत भला कैसे है? एक अन्य कविता में वह कहता है - जब कभी आप पूछें कश्मीरी पंडितों के बारे में लोग भूतकाल में बात करते हैं, वे थे, वे रहे, वे रहते थे, एक दिन वे यह भी पूछ सकते हैं, वे कौन थे? यह कश्मीरी पंडितों की पहचान पर उभर आए संकट की सचबयानी है।

पूजा सिंह